भारत सरकार

उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय

**लोक सभा**

**तारांकित प्रश्न संख्याः *376**

उत्तर देने की तारीख 26 मार्च, 2025 (बुधवार)

05 चैत्र, 1947 (शक)

**प्रश्न**

**उत्तर-पूर्वी क्षेत्र का आर्थिक विकास**

***376. श्री फणी भूषण चौधरीः**

क्या **उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय की स्थापना का मुख्य उद्देश्य क्या है तथा वर्ष 2004 से अब तक इसके माध्यम से वर्षवार कितनी धनराशि आवंटित की गई है; और

(ख) विशेषकर असम सहित उत्तर-पूर्वी क्षेत्र (एनईआर) के आर्थिक विकास के लिए वर्ष 2025 तक कौन-कौन से मुख्य बुनियादी ढांचे विकसित किए गए हैं?

**उत्तर**

**उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री**

**(श्री ज्योतिरादित्य मा. सिंधिया)**

(क) और (ख) विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

**"पूर्वोत्तर क्षेत्र के आर्थिक विकास" के संबंध में 26 मार्च, 2025 को लोक सभा में उत्तरार्थ तारांकित प्रश्न संख्या *376 के भाग (क) और (ख) के संबंध में लोक सभा के पटल पर रखा जाने वाला विवरण**

(क) उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय की स्थापना का मुख्य उद्देश्य और लक्ष्य निम्नलिखित सुनिश्चित करना है:

i) अवसंरचना और सामाजिक विकास को सुदृढ़ करने के दृष्टिकोण से पूर्वोत्तर क्षेत्र का त्वरित विकास;
ii) पूर्वोत्तर क्षेत्र के भीतर मुख्य विकास के अवसरों के क्षेत्रों की जांच करना और वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए अन्य मंत्रालयों/विभागों के साथ समन्वय करना;
iii) आर्थिक विकास के दृष्टिकोण से और दक्षिण पूर्व एशिया के लिए गेटवे के रूप में पड़ोसी देशों के साथ अंतर्राष्ट्रीय संपर्क को देखना।

उपरोक्त उद्देश्यों को कार्यान्वित करने के लिए इन अनिवार्यताओं को पूरा करने हेतु संरचनात्मक निर्माण पूर्वोत्तर परिषद (एनईसी) और अन्य संस्थागत संरचनाओं के माध्यम से प्राप्त किया जाता है जिसमें उत्तर पूर्वी विकास वित्त निगम लिमिटेड (नेडफ़ी), उत्तर पूर्वी क्षेत्रीय कृषि विपणन निगम लिमिटेड (नेरामैक), उत्तर पूर्वी हस्तशिल्प और हथकरघा विकास निगम लिमिटेड (एनईएचएचडीसी) और उत्तर पूर्वी बेंत और बांस विकास परिषद (एनईसीबीडीसी) शामिल हैं। मंत्रालय के माध्यम से वर्ष 2004 से अब तक आवंटित निधि का विवरण अनुबंध-I में दिया गया है।

संशोधित अनुमान के अनुसार 2004-05 से 2013-14 तक ₹15,135.63 करोड़ की राशि आवंटित की गई, जबकि 2014-15 से 2024-25 तक ₹31,502.99 करोड़ की राशि आवंटित की गई। यह उत्तर पूर्वी क्षेत्र के 8 राज्यों को उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय के माध्यम से आवंटित विकास संसाधनों में 108% की वृद्धि दर्शाता है।

(ख) मंत्रालय गैर-छूट प्राप्त मंत्रालयों/विभागों द्वारा एनईआर के लिए 10% सकल बजटीय सहायता (जीबीएस) के आवंटन के तंत्र के समन्वय और निगरानी के लिए भी जिम्मेदार है। उपर्युक्त तंत्र के तहत पिछले 21 वर्षों यानी 2004-05 से 2024-25 के दौरान आवंटित निधि का ववरण अनुबंध-II में दिया गया है। गैर-छूट प्राप्त मंत्रालयों और विभागों द्वारा निधि के आवंटन में तेज वृद्धि देखी गई है। 2004-05 से 2013-14 के दौरान ₹1,57,855.67 करोड़ की राशि आवंटित की गई, जबकि 2014-15 से 2024-25 के दौरान संशोधित अनुमान के अनुसार ₹6,02,620.12 करोड़ की राशि आवंटित की गई, जो 281.75% वृद्धि को दर्शाता है।

अवसंरचना का विकास एनईआर को विकसित करने की रणनीति का एक महत्वपूर्ण घटक रहा है। पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) में औद्योगिक विकास सहित समग्र अवसंरचना को बढ़ावा देने के लिए

संबंधित केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों द्वारा कई अवसंरचना विकास परियोजनाएं शुरू की गई हैं, जिनमें अन्य के साथ-साथ निम्नलिखित शामिल हैं:

i. राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई 10,905 किमी (2014) से बढ़कर 16,207 किमी (2024) हो गई है।

ii. 2014 से लेकर अब तक पूर्वोत्तर भारत में नागर विमानन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। ₹1,100 करोड़ की लागत वाली कुल 36 परियोजनाएँ पूरी हो चुकी हैं और ₹1,492 करोड़ की लागत वाली 12 परियोजनाएँ प्रस्तावित हैं। इस क्षेत्र के लिए ₹2,000 करोड़ के निवेश की योजना बनाई गई है। हवाई अड्डों की संख्या वर्ष 2014 में 9 से बढ़कर वर्तमान में 17 हो गई है और उड़ान योजना के तहत 64 मार्गों को चालू किया गया है।

iii. 2014 से लेकर अब तक अंतर्देशीय जलमार्गों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। विभिन्न परियोजनाओं पर कुल ₹1,040 करोड़ खर्च किए गए हैं, जिससे राष्ट्रीय जलमार्गों की संख्या 1 से बढ़कर 20 हो गई है। पत्तन, पोत परिवहन, और जलमार्ग मंत्रालय ने सागरमाला कार्यक्रम के तहत पूर्वोत्तर क्षेत्र में ₹1,000 करोड़ से अधिक की परियोजनाएं शुरू की हैं। पहला मालवाहक जहाज 2022 में पटना से बांग्लादेश होते हुए पांडु के लिए रवाना हुआ और दुनिया का सबसे लंबा नदी क्रूज अर्थात एमवी गंगा विलास 2023 में वाराणसी से बांग्लादेश होते हुए बोगीबील के लिए रवाना हुआ।

iv. 2014 से लेकर अब तक रेल अवसंरचना में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पूर्वोत्तर के लिए औसत वार्षिक बजट आवंटन में 384% की वृद्धि हुई, जो वित्त वर्ष 2023-24 के लिए कुल ₹9,970 करोड़ है। सैक्शन को वार्षिक रूप से चालू करने में 170% की वृद्धि हुई है और यह 66.6 किमी/वर्ष (2009-2014) से बढ़कर 179.78 किमी/वर्ष (2014-2023) हो गया है। रेलवे ट्रैक में 1,909 किलोमीटर की वृद्धि हुई, जिसमें 972 किलोमीटर को ब्रॉड गेज में परिवर्तित किया गया है। ₹81,941 करोड़ की 19 परियोजनाएं निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं। इसके अतिरिक्त, 25 नई रेल सुरंगें चालू हैं और 121 सुरंगें निर्माणाधीन हैं।

v. माननीय प्रधान मंत्री ने 09.03.2024 को 12,556 करोड़ रुपये की कई परियोजनाओं का शिलान्यास किया।

vi. सेला सुरंग का उद्घाटन 9 मार्च, 2024 को किया गया। यह असम के तेजपुर और अरुणाचल प्रदेश के तवांग के बीच बारहमासी कनेक्टिविटी सुनिश्चित करती है।

vii. अगरतला-सबरूम नई रेलवे लाइन परियोजना (112 किमी) 3,904.61 करोड़ रुपये की लागत से चालू की गई है।

viii. ढोला-सादिया पुल का 2017 में उद्घाटन किया गया, जिसने असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच यात्रा के समय को 5 घंटे और 165 किमी कम कर दिया है।

ix. अरुणाचल प्रदेश के पहले ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे, डोनी पोलो हवाई अड्डे का उद्घाटन 2022 में किया गया।

x. बोगीबील रेल-सह-सड़क पुल का उद्घाटन 2018 में किया गया, जिससे पूरे असम में कनेक्टिविटी बढ़ गई।

उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय की विभिन्न स्कीमों के माध्यम से 2025 तक असम सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) के आर्थिक विकास के लिए विकसित की गई प्रमुख अवसंरचना का विवरण अनुबंध-III में दिया गया है।

*****

**अनुबंध-I**

**"पूर्वोत्तर क्षेत्र के आर्थिक विकास" के संबंध में 26 मार्च, 2025 को लोक सभा में उत्तरार्थ तारांकित प्रश्न संख्या *376 के भाग (क) में संदर्भित अनुबंध**

**वर्ष 2004-05 से 2024-25 के दौरान आवंटित संशोधित अनुमान (आरई) का विवरण**

**(करोड़ रुपए में)**

| वर्ष | संशोधित अनुमान |
|---|---|
| 2004-05 | 1197.12 |
| 2005-06 | 1188.48 |
| 2006-07 | 1365.29 |
| 2007-08 | 1432.00 |
| 2008-09 | 1473.25 |
| 2009-10 | 1475.21 |
| 2010-11 | 1759.33 |
| 2011-12 | 1664.27 |
| 2012-13 | 1750.68 |
| 2013-14 | 1830.00 |
| **कुल (2004-05 से 2013-14)** | **15135.63** |
| 2014-15 | 1825.45 |
| 2015-16 | 2000.14 |
| 2016-17 | 2524.42 |
| 2017-18 | 2682.45 |
| 2018-19 | 2629.48 |
| 2019-20 | 2670.00 |
| 2020-21 | 1860.00 |
| 2021-22 | 2658.00 |
| 2022-23 | 2755.05 |
| 2023-24 | 5892.00 |
| 2024-25 | 4006.00 |
| **कुल (2014-15 से 2024-25)** | **31502.99*** |

***2004-05 से 2013-14 के दौरान आवंटन में 108% की वृद्धि**

**अनुबंध-II**

**"पूर्वोत्तर क्षेत्र के आर्थिक विकास" के संबंध में 26 मार्च, 2025 को लोक सभा में उत्तरार्थ तारांकित प्रश्न संख्या *376 के भाग (ख) में संदर्भित अनुबंध**

**10% जीबीएस के अंतर्गत 2004-05 से 2024-25 के दौरान आवंटित संशोधित अनुमान (आरई) का विवरण**

**(करोड़ रुपए में)**

| वर्ष | संशोधित अनुमान |
|---|---|
| 2004-05 | 6555.1 |
| 2005-06 | 8910.14 |
| 2006-07 | 10502.25 |
| 2007-08 | 12583.23 |
| 2008-09 | 14387.65 |
| 2009-10 | 15577.12 |
| 2010-11 | 20574.79 |
| 2011-12 | 21907.96 |
| 2012-13 | 22493.75 |
| 2013-14 | 24364.48 |
| **कुल (2004-05 से 2013-14)** | **1,57,856.47** |
| 2014-15 | 27,359.17 |
| 2015-16 | 29,669.22 |
| 2016-17 | 32,180.08 |
| 2017-18 | 40,971.69 |
| 2018-19 | 47,087.95 |
| 2019-20 | 53,374.19 |
| 2020-21 | 51,270.90 |
| 2021-22 | 68,440.26 |
| 2022-23 | 72,540.28 |
| 2023-24 | 91,990.42 |
| 2024-25 | 87,735.96 |
| **कुल (2014-15 से 2024-25)** | **6,02,620.12** |

***2004-05 से 2013-14 के दौरान आवंटन में 281% की वृद्धि**

**अनुबंध-III**

**"पूर्वोत्तर क्षेत्र के आर्थिक विकास" के संबंध में 26 मार्च, 2025 को लोक सभा में उत्तरार्थ तारांकित प्रश्न संख्या *376 के भाग (ख) में संदर्भित अनुबंध**

उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय की विभिन्न स्कीमों के माध्यम से 2025 तक असम सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) के आर्थिक विकास के लिए विकसित की गई प्रमुख अवसंरचना इस प्रकार हैं:

| क्र.सं. | राज्य | परियोजना का नाम | राशि करोड़ रूपये में |
|---|---|---|---|
| 1 | अरुणाचल प्रदेश | सिका तोडे-सिका बामिन गांव - जामपानी और अंचलघाट कैंप रोड (25 किमी) होते हुए पूर्वी सियांग जिले में रानी से ओइरमघाट (असम) तक सड़क का निर्माण | 33.2547 |
| 2 | अरुणाचल प्रदेश | पूर्वी कामेंग जिले में सेप्पा-च्यांगताजो सड़क | 172.52 |
| 3 | असम | नलबाड़ी में मेडिकल कॉलेज का निर्माण | 217.82 |
| 4 | असम | चम्पामती सिंचाई परियोजना | 43.85 |
| 5 | असम | बीटीसी क्षेत्र के काजलगांव में 100 बिस्तरों वाले अस्पताल का निर्माण | 38.52 |
| 6 | असम | कोकराझार में आईटी पार्क की स्थापना | 25.94 |
| 7 | असम | असम में आरसीसी पुल संख्या 24/1 (लंबाई 25.00 किमी) सहित एनएच-36 के पास बिरला (तरंगलासो) से रोंकीमी तक सड़क का निर्माण | 44.15 |
| 8 | असम | बिश्मुरी सरलपारा सरभंगा रोड का सुधार और चौड़ीकरण | 26.79 |
| 9 | असम | बशबारी से गोसाईगांव वाया डिंगडिंगा कोकराझार जिला में तक सड़क (डीके रोड) का सुधार | 25 |
| 10 | असम | चम्पामती सिंचाई परियोजना | 43.85 |
| 11 | असम | बीटीसी क्षेत्र के काजलगांव में 100 बिस्तरों वाले अस्पताल का निर्माण | 38.52 |
| 12 | असम | कोकराझार में बोडोफा सांस्कृतिक परिसर का निर्माण | 18.44 |
| 13 | असम | कोकराझार में आईटी पार्क की स्थापना | 25.94 |
| 14 | असम | असम के चिरांग जिले में बिजनी-पनबारी रोड | 15.59 |
| 15 | असम | चिरांग जिले में आरसीसी पुल और क्रॉस ड्रेनेज सहित बागरगांव होते हुए बोरोबाजार उलुबारी रोड का निर्माण | 18.69 |
| 16 | असम | कार्बी आनलांग में आरसीसी पुल संख्या 24/1 (लंबाई 25.00 किमी) सहित एनएच-36 के पास बिरला (तरंगलासो) से रोंकीमी तक सड़क का निर्माण | 44.15 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 17 | असम | लंका से दियुंगमुख, हाफलोंग तिनाली और पनिमुर होते हुए उमरंगसो तक डबल लेन सड़क का निर्माण | 227.17 |
| 18 | असम | चिरांग जिले में पहुंच और सुरक्षा कार्य सहित ऐई पोवाली में ऐई नदी पर आरसीसी पुल का निर्माण | 69.74 |
| 19 | असम | असम के जोरहाट जिले के ना-अली पर रेलवे एलसी गेट संख्या एसटी-58 के स्थान पर जोरहाट में तीन लेन के सड़क ऊपरी पुल का निर्माण | 67.75 |
| 20 | असम | लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई रोड, एसएच-3 बी, असम का सीएच 0.00 किमी से सीएच 18.65 किमी तक सुधार एवं चौड़ीकरण | 79.13 |
| 21 | मणिपुर | मणिपुर के थौबल में 400/132/33 केवी एसएस का निर्माण | 128.24 |
| 22 | मणिपुर | बिष्णुपुर - नुंग्बा रोड | 142.85 |
| 23 | मेघालय | मीसा (असम) से बर्नीहाट (मेघालय) तक 220 केवी डी/सी ट्रांसमिशन लाइन का निर्माण | 63.37 |
| 24 | मिजोरम | भैरबी में एचएफओ संचालित 20 मेगावाट डीजी थर्मल प्लांट | 91.59 |
| 25 | मिजोरम | खेड़ाचेर्रा - दमचेर्रा - क्वार्था - तुइलुटकॉन रोड | 183.27 |
| 26 | मिजोरम | सेरखान-बाघाबाजार रोड | 187.04 |
| 27 | नागालैंड | उप-पारेषण एवं वितरण स्कीमें | 67.85 |
| 28 | नागालैंड | मोकोकचुंग (एनएच-155), एनएच-202 जंक्शन से लोंगसा-सुरुहोटो रोड होते हुए अघुनाटो तक | 158.31 |
| 29 | सिक्किम | दक्षिण सिक्किम में नामची जलापूर्ति योजना का विस्तार | 38.22 |
| 30 | त्रिपुरा | बिशालगढ़-बॉक्सानगर-सोनमुरा-बोरपाथरी-बेलोनिया रोड | 233.41 |
| | | कुल | 2570.96 |

*****